NCERT SOLUTIONS

CLASS - 12th



aglasem.com

Class : 12
Subject : मनोविज्ञान
Chapter : 6
Chapter Name : अभिवृति एवं सामाजिक संज्ञान

Q1 अभिवृत्ति को परिभाषित कीजिए। अभिवृत्ति के घटकों की विवेचना कीजिए।

Answer. लोग व्यवहारात्मक अधिगम प्रक्रिया, परिवार एवं विद्यालय के प्रभाव, संदर्भ समूह एवं संचार-माध्यम द्वारा अभिवृतियाँ अथवा विचार एवं व्यवहारात्मक प्रवृत्तियाँ विकसित करते हैं। अभिवृत्ति भी एक अवस्था है। किसी विषय के संबंध में विचारों का एक पुंज है, एक मूल्यांकनपरक की विशेषता पाई जाती है। इस एक सांवेगिक घटक होता है तथा अभिवृत्ति-विषय के प्रति एक विशेष प्रकार से क्रिया करने की प्रवृत्ति भी पाई जाती है।

विचार पर घटक को संज्ञानात्मक (cognitive) पक्ष भी कहा जाता है, सांवेगिक घटक को भावात्मक (affective) पक्ष के रूप में जाना जाता है तथा क्रिया करने की प्रवृति को व्यवहारपरक (behavioural) या क्रियात्मक घटक कहा जाता है। संक्षेप में इन तीनो घटकों को अभिवृत्ति का ए बी सी कहा जाता है। हिंदी में इसे संभाव्य कह सकते हैं (सं-भा-व्य: संज्ञानात्मक, भावात्मक एवं व्यवहारपरक) घटक कह सकते हैं। ध्यान रखने वाली बात यह है अभिवृत्ति स्वयं में व्यवहार नहीं है परंतु एक निश्चित प्रकार के व्यवहार या क्रिया करने की प्रवृत्ति को प्रकट करती है। यह संज्ञान के अंग हैं जो सांवेगिक घटक से युक्त होते हैं तथा इनका बाहर में प्रक्षेण नहीं किया जा सकता है।

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q2 क्या अभिवृत्तियाँ अधिगत होती हैं? वे किस प्रकार से अधिगत होती हैं, व्याख्या कीजिए?

Answer. विचार एवं संप्रत्यय विकसित होते हैं और हमारे संज्ञानात्मक व्यवस्था या तंत्र के अंग बन जाते हैं, उसी प्रकार विभिन्न विषयों वस्तुओं तथा व्यक्तियों के प्रति अभी विधियों का भी निर्माण हो जाता है, जब हम दूसरों से अंतः क्रिया करते हैं। सामान्य अभिवृत्तियाँ स्वयं के अनुभव तथा दूसरों से अंत: क्रिया के माध्यम से सीखी जाती है। अधिगम की प्रक्रिया या दशाएं भिन्न हो सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप लोगों में विविध प्रकार की विधियां उत्पन्न होती हैं, जिनमें से कुछ निम्न प्रकार के हैं:

-साहचर्य के द्वारा अभिवृत्तियों का अधिगम: विषय के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति, अध्यापक एवं विद्यार्थी के मध्य सकारात्मक साहचर्य के द्वारा सीखी या अधिगमित की जाती है।

-पुरस्कृति या दंडित होने के कारण अभिवृत्तियों को सीखना: यदि एक विशिष्ट अभिवृत्ति को प्रदर्शित करने के लिए किसी व्यक्ति की प्रशंसा की जाती है तो यह संभावना उच्च हो जाती है की वह आगे चलकर उस अभिवृत्ति को विकसित करेगा।

-प्रतिरूपण के द्वारा अभिवृत्ति का अधिगम करना: बच्चे यह देखकर कि उनके माता-पिता बड़ों के प्रति आदर व्यक्त करते हैं एवं इसके लिए सम्मान पाते हैं, वह बड़ों के प्रति एवं श्रद्धालु अभिवृत्ति विकसित कर सकते हैं।

-समूह या सांस्कृतिक मानकों के द्वारा अभिवृत्ति का अधिगम करना: मानक अभिव्यक्ति के रूप में हमारे सामाजिक संज्ञान के अंग बन जाते हैं।समूह या संस्कृति के मानकों के माध्यम से वृत्तियों का अधिगम करना

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q3 अभिवृत्ति निर्माण को प्रभावित करने वाले कौन कौन से कारक हैं?

Answer. अभिवृत्ति निर्माण को प्रभावित करने वाले निम्नलिखित कारण हो सकते हैं:

-परिवार एवं विद्यालय का परिवेश: परिवार एवं विद्यालय में अभिवृत्तियों का अधिगम आमतौर पर साहचर्य, पुरस्कार दंड तथा प्रतिरूपण के माध्यम से होता है।

-संदर्भ समूह: संदर्भ समूह एक व्यक्ति को सोचने एवं व्यवहार करने के स्वीकृत नियमों या मानकों को बताते हैं। अतः यह समूह या संस्कृति के मानकों के माध्यम से अभिवृत्तियों के अधिगम को दर्शाते हैं।

-व्यक्तिगत अनुभव: इनका निर्माण प्रत्यक्ष व्यक्तिगत अनुभव के द्वारा होता है, जो लोगों के तथा स्वयं के जीवन के प्रति हमारी अभिवृत्ति में प्रबल परिवर्तन उत्पन्न करता है।

-संचार माध्यम संबंध प्रभाव: वर्तमान समय में प्रौद्योगिकी विकास ने दृश्य श्रव्य माध्यम एवं नेट को एक शक्तिशाली सूचना का स्रोत बना दिया है जो अभी विधियों का निर्माण एवं परिवर्तन करते हैं।

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q4 क्या व्यवहार सदैव व्यक्ति की अभिवृति को प्रतिबिंबित करता है? एक उदाहरण देते हुए व्याख्या कीजिए।

Answer. अभिवृत्ति विषय के प्रति अपने व्यवहार को वास्तविक रूप में परिवर्तित करते हुए स्त्रोत अपनी अभिवृत्ति में परिवर्तन का प्रदर्शन करता है। स्त्रोत की बदली हुई अभिवृत्ति एवं व्यवहार देखकर लक्ष्मी अपने व्यवहार के द्वारा अभिवृत्ति में परिवर्तन प्रदर्शित करता है। यह एक प्रकार का अनुकरण या प्रक्षेणमूलक अधिगम है।

उदाहरण के लिए देखिए, प्रीति आचार पत्र में पढ़ती है कि विशिष्ट शीतल पेय, जिसे वह बहुत पसंद करती है, अत्यधिक हानिकारक है। परंतु प्रीति यह देखती है कि उसी शीतल पेय का विज्ञापन उसके पसंदीदा खिलाड़ी के द्वारा किया जा रहा है। उसने स्वयं का तादात्म्य उस खिलाड़ी से बना लिया है और उसका अनुकरण करना चाहेगी। अब कल्पना कीजिए कि वह खिलाड़ी लोगों की इस शीतल पेय के प्रति अभिवृति को परिवर्तित कर सकारात्मक से नकारात्मक बनाना चाहता है। खिलाड़ी को अपने प्रशंसकों के प्रति सर्वप्रथम एक सकारात्मक भावना का प्रदर्शन करना चाहिए और फिर इस शीतल पेय को पीने की अपनी आदत में वास्तव में परिवर्तन करना चाहिए- संभवत इस शीतल पर के स्थान पर किसी स्वास्थ्यकर पेय को अपनाकर। यदि खिलाड़ी वास्तव में अपने व्यवहार में परिवर्तन कर लेता है तो यह संभावना बहुत अधिक है की प्रीति भी अपनी एवं व्यवहार में परिवर्तन कर लेगी तथा हानिकारक शीतल पेय को लेना बंद कर देगी।

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q5 सामाजिक संज्ञान में स्कीमा या अन्विति योजना के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

Answer. स्कीमा या अन्विति योजना को एक ऐसी मानसिक संरचना के रूप में परिभाषित किया जाता है जो किसी वस्तु के बारे में सूचना प्रक्रमण के लिए एक रूपरेखा, नियमों का समूह या दिशा-निर्देश प्रदान करती है। अन्विति योजना हमारी स्मृति में संग्रहित मौलिक इकाइयां है तथा आप प्रक्रमण के लिए आशुलिपि की तरह कार्य

करती है, फलस्वरूप संज्ञान के लिए वांछित समय एवं मानसिक प्रयास की मांग को कम कर देती है। सामाजिक संज्ञान के संदर्भ में मौलिक इकाइयां सामाजिक स्कीमा होती हैं। कुछ अभिवृत्तियाँ सामाजिक स्कीमा के रूप में कार्य कर सकती हैं। हम अनेक स्कीमा का उपयोग करते हैं और विश्लेषण एवं उदाहरण के द्वारा उनके बारे में ज्ञान प्राप्त करते हैं।

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q6 पूर्वाग्रह एवं रूढधारणा में विभेदन कीजिए।

Answer. पूर्वाग्रह किसी विशेष समूह के प्रति अभिवृत्ति का उदाहरण है। यह प्रायः नकारात्मक होते हैं एवं अनेक स्थितियों में समूह के संबंध में रूढ धारणा पर आधारित होते हैं। रूढ़ धारणा किसी विशेष समूह की विशेषताओं से संबंधित विचारों का एक गुच्छा होती है। इस समूह के सभी सदस्य इन विशेषताओं से युक्त माने जाते हैं। प्राय: रूढ़ धारणाएँ लक्ष्य समूह के बारे में आवांछित विशेषताओं से युक्त होती है, और यह विशिष्ट समूह के सदस्यों के बारे में एक नकारात्मक अभिवृत्ति को जन्म देती है। पूर्वाग्रह के संज्ञानात्मक घटक के साथ प्राया नापसंद या घृणा का भाव, अर्थात, भावात्मक घटक जुड़ा होता है। पूर्वाग्रह भेदभाव के रूप में, व्यवहारपरक घटक, रूपांतरित या अनूदित हो सकता है, एक विशिष्ट लक्ष्य समूह के प्रति उस समूह की तुलना में जिसे वो पसंद करते हैं कम सकारात्मक तरीके से व्यवहार करने लगते हैं। इतिहास में प्रजाति एवं सामाजिक वर्ग या जाति पर आधारित भेदभाव के असंख्य उदाहरण है। जर्मनी में नाजियों के द्वारा यहूदियों के विरुद्ध किया गया प्रजाति संहार पूर्व की पराकाष्ठा का एक उदाहरण है जो यह प्रदर्शित करता है कि कैसे पूर्वाग्रह घृणा, भेदभाव निर्दोष लोगों को सामूहिक संहार की ओर ले जाता है।

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q7 पूर्वाग्रह भेदभाव के बिना एवं भेदभाव पूर्वाग्रह के बिना रह सकता है। टिप्पणी कीजिए।

Answer. पूर्वाग्रह बिना भेदभाव के रूप में प्रदर्शित हुए भी अस्तित्व में रह सकता है। इसी प्रकार से बिना पूर्वाग्रह के भेद भाव प्रदर्शित किया जा सकता है। फिर भी दोनों प्राया साथ-साथ पाए जाते हैं जहां भी पूर्वाग्रह एवं भेदभाव रहता है वहां एक ही समाज के समूहों में अंतर्द्वंद उत्पन्न होने की संभावना बहुत प्रबल होती है। हमारे स्वयं के समाज मे लिंग, धर्म, समुदाय, जाति, शारीरिक विकलांगता एवं बीमारियों जैसे एड्स पर आधारित पूर्वाग्रह युक्त या पूर्वाग्रह रहित भेद देख खेद जनक किया दुखद घटनाओं को देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त अनेक स्थितियों में भेदभाव पूर्ण व्यवहार विधिक नियमों के द्वारा प्रतिबंधित या नियंत्रित किया जा सकता है। तू पूर्वाग्रह के संज्ञानात्मक एवं भावात्मक घटकों को परिवर्तित करना बहुत कठिन है।

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q8 छवि निर्माण को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारकों का वर्णन कीजिए।

Answer. प्रत्येक सामाजिक अंतःक्रिया का प्रारंभ हमसे मिलने वाले व्यक्ति(यों) के बारे में में एक छवि बनाने से होता है। छवि निर्माण या गुणारोपण निम्नांकित से प्रभावित होते हैं-

प्रत्यक्षणकर्ता को उपलब्ध सूचनाओं की प्रकृति से, प्रत्यक्षणकर्ता के सामाजिक स्कीमा, प्रत्यक्षणकर्ता की व्यक्तिगत विशेषताएं तथा स्थिति परिस्थितिजन्य कारक। अभी निर्माण की प्रक्रिया तीन उप क्रियाएं होती हैं पहली- चयन: एक व्यक्ति के बारे में कुछ इकाइयों को ही ध्यान में रखते हैं, दूसरा- संगठन: चयनित सूचनाएं एक

क्रमबद्ध ही अव्यवस्थित तरीके से जोड़ी जाती है एवं तीसरी - अनुमान: जिसमें हम बारे में निष्कर्ष निकालते हैं कि लक्ष्य किस प्रकार का व्यक्ति है। छवि निर्माण को कुछ विशिष्ट गुण अन्य शीलगुणों की अपेक्षा अधिक प्रभावित करते हैं। जिस क्रम या अनुक्रम में सूचना प्रस्तुत की जाती है वह छवि निर्माण को प्रभावित करता है बहुधा, पहले प्रस्तुत की जाने वाली सूचना या प्रभाव अंत में प्रस्तुत की जाने वाली सूचना से अधिक प्रबल होता है, इसे प्रथम प्रभाव कहते हैं। यद्यपि यदि प्रत्यक्षणकर्ता को केवल प्रथम सूचना पर नहीं बल्कि सभी सूचनाओं पर ध्यान देने के लिए कहा जाए तब भी जो सूचनाएं अंत में आती हैं उनका अधिक प्रबल प्रभाव होता है, इसे आसन्नता प्रभाव के नाम से जाना जाता है।

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q9 स्पष्ट कीजिए की कैसे कर्ता द्वारा किया गया गुणारोपण प्रेक्षक के द्वारा किए गए गुणारोपन से भिन्न होगा।

Answer. किसी व्यक्ति द्वारा स्वयं (कर्ता) के सकारात्मक एवं नकारात्मक अनुभव के लिए किए जाने वाले गुणारोपण तथा दूसरे (प्रेक्षक) व्यक्ति के सकारात्मक एवं नकारात्मक अनुभवों के लिए किए जाने वाले गुणारोपण के अंतर पाया जाता है। इसे कर्ता-प्रेक्षक प्रभाव कहते हैं। उदाहरण के तौर पर, यदि आप स्वयं एक परीक्षा में अच्छे अंक अर्जित करते हैं तो आप इसका गुनार ओपन स्वयं की योग्यता या कठोर परिश्रम पर करेंगे(कर्ता की भूमिका में, एक सकारात्मक अनुभव के लिए आंतरिक गुणारोपन)। यदि आप खराब अंक पाते हैं तो आप कहेंगे कि यह इसलिए हुआ क्योंकि आप दुर्भाग्यशाली थे, या परीक्षा बहुत कठिन थी(भूमिका-कर्ता, एक नकारात्मक अनुभव जे लिए बाह्य गुणारोपन)। दूसरी ओर, यदि आपका एक सहपाठी इस परीक्षा में अच्छे अंक पाता है तो आप उसकी सफलता को उसके अच्छे भाग गई या सरल परीक्षा पर आरोपित करेंगे(प्रेक्षक की भूमिका, एक सकारात्मक अनुभव के गुणारोपन के लिए), यदि वही सहपाठी खराब अंक पाता है तो आपके यह कहने कि संभावना है कि वह अपनी कम योगिता या की कमी के कारण असफल रहा(प्रेक्षक, एक नकारात्मक अनुभव के गुणारोपन के लिए) कर्ता एवं प्रेक्षक की भूमिका में अंतर का मूल कारण यह है कि लोग दूसरों की तुलना में अपनी एक अच्छी छवि चाहते हैं।

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q10 सामाजिक सुकरीकरण किस प्रकार से होता है?

Answer. सामाजिक व्यवहार के बारे में किया गया सबसे प्रथम प्रेक्षण यह था की मात्र दूसरों की उपस्थिति में किसी विशिष्ट कार्य का निष्पादन प्रभावित होता है। इसे सामाजिक सुकरीकरण कहा जाता है। 1897 में Norman triplett ने देखा कि लोग दूसरों की उपस्थिति में बेहतर निष्पादन करते हैं, क्योंकि व्यक्ति भाव प्रबोधन का अनुभव कर रहा होता है। जो उस व्यक्ति को अधिक तीव्र या गहन प्रतिक्रिया करने के योग्य बनाती हैं। भाव प्रबोधन इसलिए होता है क्योंकि व्यक्ति यह अनुभव करता है कि उसका मूल्यांकन किया जा रहा है। निष्पादित किये जाने वाले कार्य की प्रकृति भी दूसरों की उपस्थिति में निष्पादन को प्रभावित करती है। सरल या परिचित कार्य की दशा में व्यक्ति अच्छे निष्पादन के लिए अधिकार स्वस्थ रहता है और प्रशंसा या पुरस्कार पाने भी अधिक प्रबल रहती है। इसलिए लोगों की उपस्थिति में व्यक्ति अच्छा निष्पादन करता है तो जब वह अकेले होता है। दूसरे उपस्थित लोग भी उसी कार्य को कर रहे हो तो इसे सहःक्रिया परिस्थिति। इस परिस्थिति में एक सामाजिक तुलना एवं प्रतियोगिता होती है।
कार्य निष्पादन को दूसरों की उपस्थिति से सहज किया जा सकता है एवं या सुधारा जा सकता है या अवरूद्ध अथवा खराब किया जा सकता है।

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q11 समाजोपकारी व्यवहार के संप्रत्यय की व्याख्या कीजिए।

Answer. दूसरों का भला करना एवं उनके लिए सहायक होना संपूर्ण विश्व में एक सद्‌गुण की तरह वर्णित किया गया है। इस व्यापार को समाज उन्मुख या समाजोपकारी व्यवहार कहा जाता है। अपनी चीजों को दूसरों में बांटना, दूसरों की सहायता करना, प्राकृतिक विपत्तियों के समय सहायता करना, सहानभूति का प्रदर्शन करना, दूसरों का समर्थन करना या उनका पक्ष लेना है एवं सहायतार्थ दान देना सामाजोपकारी व्यवहार के कुछ सामान्य उदाहरण है।
यदि एक धनी व्यक्ति अवैध तरीके से प्राप्त किया गया बहुत सारा धन इससे से मन करता है कि उसका चित्र समाचार पत्रों में छप जाएगा तो इसे सामाजोपकारी व्यवहार नहीं कहा जा सकता है। यद्‌यपि यह दान बहुत लोगों का भला कर सकता है।

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q12 आपका मित्र बहुत अधिक अस्वास्थ्यकर भोजन करता है, आप भोजन के प्रति उसकी अभिव्यक्ति में किस प्रकार से परिवर्तन लाएंगे।

Answer. मैं उसे सलाह दूँगा तथा खुद भी अपनी अस्वस्थकर भोजन को त्याग स्वस्थ भोजन करना प्रारंभ करूँगा। मुझे स्वस्थ खाता देखकर शायद उसका मन भी बदल जाये और अपना अस्वस्थकर भोजन छोड़ कर अच्छा और स्वस्थ भोजन खाने लगे।

Page : 22 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

aglasem.com